ज्ञान विचार
ज्ञान व्यक्ति के जीवन का आधार है : डॉ अंबेडकर

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 जनवरी 2023 वर्ष : 5, अंक : 18 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

भारत को फिर से विश्व गुरू बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने की जरूरत : दत्तात्रेय

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत को फिर से विश्व गुरू बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। अगर युवा पीढ़ी स्वामी विवेकानंद के जीवन के नैतिक मूल्यों, शिक्षा, संस्कारों पर चलेगी तो निश्चित ही आने वाले कुछ समय में ही भारत विश्व गुरू बनेगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय गुरुवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजुला चौधरी व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल वशिष्ठ ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित ललित कला विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और दीपशिखा प्रज्वलित कर विधिवत किया।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भारतीय संस्कृति के पुरोधा व युवा शक्ति के आदर्श स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाए देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 11 सितंबर, 1893 को शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में अपने ओजस्वी भाषण से दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक सन्तों को अचंभित कर दिया था। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत ही अमेरिकी बहनों और भाईयों के रूप में संबोधित करते हुए की, जिससे पूरा हाल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा था। स्वामी विवेकानंद ने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया है, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में अपनाकर देश को आगे बढ़ाने के लिए योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए। जिस देश में युवा नशे व अन्य सामाजिक बुराईयों से दूर रहकर देशहित के लिए कार्य करते हैं वे देश निश्चित ही तरक्की की राह पर आगे बढ़ता है। स्वामी विवेकानंद के भारतीय मूल्यों, संस्कृति और आदर्शों से प्रेरित होकर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर, स्वस्थ भारत अभियान शुरू किया है। इस पर 2025-26 तक 64,180 करोड़ रुपए खर्च होगें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) स्वामी विवेकानंद के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक मूल्यों और नए भारत के निर्माण की दृष्टि के अनुरूप है। एनईपी-2020 में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना, शिक्षा में मातृभाषा को बढ़ावा देना और समावेशी शिक्षा के लिए प्रावधान करने के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 2035 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों में है। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस पर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति केयू में सबसे पहले लागू करने पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को बधाई देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए और स्वामी विवेकानंद के जीवन पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन से युवाओं को प्रेरणा मिले इसलिए जयंती समारोह को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया है। आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। इस देश में 37 करोड़ की आबादी युवा शक्ति की है। सरकार की नीतियों का अनुसरण करते हुए और युवा शक्ति को सही मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में लागू किया और एनईपी को लागू कर दिया जाएगा।

कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस राष्ट्रीय युवा दिवस पर डॉ. रजनी बाला के नेतृत्व में छात्रों ने योगा, आरकेएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने स्किट, यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने कोरियोग्राफर, डॉ. हरविन्द्र राणा व यूटीडी की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। मंच का संचालन डॉ. महासिंह पूनिया ने किया। इस मौके पर उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजूला चौधरी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल वशिष्ठ प्रो. सुनील ढींगरा, चीफ वार्डन प्रो. डीएस राणा, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. नीरा राघव, डॉ. दीपक राय बब्बर, प्रो. प्रदीप कुमार, कुटा प्रधान डॉ. आनंद, डॉ. जितेन्द्र खटकड़, कुंटिया प्रधान रामकुमार गुर्जर सहित डीन, अध्यक्ष, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद थे।

प्रयागराज में डाक कर्मचारियों पर किए गए हमले के विरोध में डाक कर्मचारियों ने बाजू पर काले बिल्ले व रिबन लगा किया रोष प्रकट

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सोमवार को प्रयागराज में एक महिला वकील व उसके साथियों द्वारा ड्यूटी पर तैनात डाक कर्मचारियों के ऊपर किए गए हमले के विरोध में कुरुक्षेत्र डाक मंडल के सभी कर्मचारियों ने वीरवार को बाजू पर काले बिल्ले व रिबन बांधकर रोष प्रकट किया। प्रधान डाकघर कुरुक्षेत्र के सभी कर्मचारियो ने लंच के समय गेट के सामने एकत्र होकर नारे बाजी कर प्रयागराज के अपने साथियों के साथ खडे होने का एक कड़ा संदेश भी दिया।

कर्मचारियों के साथ बातचीत के दौरान उग्र स्वभाव के कई ग्राहकों द्वारा पैदा की जाने वाली समस्याओं का भी पता चला । आल इंडिया पोस्टल एम्पालोईज़ अस्सोसिएशन कुरुक्षेत्र मण्डल के प्रधान व हरियाणा राज्य की इकाई के सह सचिव कुलवंत सिंह ने बताया कि प्रयागराज में कानूनी अदालतों के अफसर कहाए जाने वाले वकील कैसे इस तरह का व्यवहार कर सकते हैं यह एक चिंता का विषय है । जिस तरह से सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता डाक कर्मचारी को ऐसे पीटा जा रहा है जैसे वह कर्मचारी एक बहुत बडा अपराधी हो और उसे भीड द्वारा पीटने की सजा दी गई हो। साथ ही पास खडे दो पोस्टमैन कर्मचारियों के साथ उसके दूसरे वकील साथियों द्वारा मारपीट एक पहले से प्लान की हुई साजिश दर्शाती है । उन्होंने बताया की बात करने पर पता चला कि डाक कर्मचारियों का ऐसे बहुत से ग्राहकों से पाला पडता रहता है पर कर्मचारी सिर्फ इस कारण चुप रहने को मजबूर हो जाते हैं क्योंकि सभी सरकारी कार्यालयों में ग्राहक अतिथि भव के सिद्धांत पर कार्य करते हैं और उग्र स्वभाव व जल्दबाजी वाले ग्राहक अपना गुस्सा कर्मचारियों पर निकालते हैं या शिकायत करने की धमकी देते हैं बेशक उसमे कर्मचारी की कोई गलती ना हो । जिस जिस जगह भी कोर्ट परिशर में डाक घर हैं वहाँ ज्यादातर पेशेवर वकील बहुत सी डाक बुकिंग हेतु लेकर आते है और बाद में इकट्ठी रसीद ले जाने की बात करते हैं । उसके बाद के ग्राहक विशेषकर वकील जल्दबाज़ी के कारण उसके चले जाने के बाद इस इकट्ठी बुकिंग का विरोध करते हैं यहाँ तक कि काफी मात्रा में प्राप्त हुई अधीक्षक पुलिस व जिला उपायुक्त के कार्यालय की बुकिंग करते समय हर रोज, विशेष ग्राहकों के बेवजह गलत कमेन्ट सहन करने पडते है । इस तरह पढे लिखे नागरिक वर्ग द्वारा, बिना किसी वाजिब आधार के, किसी भी सरकारी कर्मचारी की शिकायत, कर्मचारियों के लिए एक गंभीर विषय है। उन्होंने कहा की आल इंडिया पोस्टल एम्पालोईज एसोसिएशन कुरुक्षेत्र प्रयागराज में हुई

इस घटना की निंदा करती है । माननीय सुप्रीम कोर्ट, माननीय उच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश इत्यादि कानूनी शक्तियों से भी आशा है इस घटना में सम्मिलित लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कारवाई की जाए । साथ साथ डाक विभाग के उच्चाधिकारियों को भी लिखा गया है कि कृपया इस घटना पर संगयान लेकर कानून मे दिये गए सरकारी कर्मचारी के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएँ जाएँ।

मुख्य डाकपाल कृष्ण कुमार ने कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनावृति अवश्य रोकी जाये । इस विरोध प्रदर्शन मे गौरव शर्मा, पवन कुमार, खुशी राम, सुमन लता, राज कुमार, नेहा शर्मा, सुरेंदर, गाजे सिंह, बीर सिंह, जोगिंदर, कमल, साहिल इत्यादि बहुत से कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

युवाओं को बनाना होगा योग्य

देश में बेरोजगारी कम धैर्यवान निवेशकों की बहुत बड़ी जरूरत है। हमें देश-विदेश की बड़ी संस्थाओं का ध्यान अपने यहां निवेश करने के लिए खींचना सीखना होगा। उन कंपनियों का भरोसा जीतना होगा जो हमारे यहां लंबे समय तक निवेश कर व्यवसाय करना चाहती हैं। इस दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। हमें समझना होगा कि बेरोजगारी की समस्या से लड़ने के लिए हमें कई स्तरों पर प्रयास करने होंगे।

बेरोजगारी किसी भी देश के लिए सामाजिक विकास का प्रमुख सूचक है। देश में लोगों के पास रोजगार की उपलब्धता से विकास का पहिया घूमता दिखाई पड़ता है। हाल ही में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी द्वारा जारी आंकड़ों को देखें तो दिसंबर 2022 के आखिरी महीने में भारत की बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह बीते डेढ़ सालों में सबसे अधिक रही है। शहरों में बेरोजगारी की दर सर्वाधिक देखी गई जो 10 फीसदी से भी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 7.4 प्रतिशत की बेरोजगारी दर देखी गई है। विश्लेषकों का मत है कि इस नए साल 2023 में केंद्र व राज्य सरकारों के लिए बेरोजगारी पर काबू पाना एक अहम चुनौती है। पिछले कुछ वर्षों में अगर हम देखें तो तमाम स्टडीज बताती हैं कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कोई खास उछाल नहीं दिखाई पड़ता है।

बाजार के जानकार कहते हैं कि उत्पादन में कमी का आशय मांग में कमजोरी है। यदि मांग नहीं होगी तो बाजार में मंदी होगी। इससे बहुत से लोगों के पास काम धंधा नहीं रह जाता। नतीजा लगातार बढ़ती बेरोजगारी। ऐसी कुछ परिस्थितियां हमारे यहां बढ़ती ही जा रही हैं। तमाम विश्लेषण तो यही कह रहे हैं। अब अगर बेरोजगारी के आंकड़ों को एक घड़ी के लिए इधर रख कर भी अगर हम देखें तो अपने आस पास हमें बहुत से ऐसे नौजवान दिख जाएंगे जो नौकरियों की तलाश में आए दिन घूमते रहते हैं। हमारे जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए चिंता का एक प्रमुख विषय लगातार शिक्षित बेरोजगारी का बढ़ना भी है। ध्यान देने की बात है कि अगर हमारे यहां उच्च शिक्षा हासिल करने वालों की संख्या भी साल दर साल बढ़ती जा रही है। इसके सापेक्ष देश के जॉब मार्केट में अनुपातिक रूप में बहुत कम लोग ही नौकरियां पा रहे हैं।

किसी एक कंपनी में एक साधारण से एक्जिक्यूटिव या ऑफिस असिसटेंट की जॉब के लिए सैकड़ों युवा अपनी किस्मत आजमाते हैं। अगर सरकारी नौकरी हो, भले ही वह कॉन्ट्रैक्ट की हो तो उसके लिए तो हजारों की संख्या में युवा आवेदन करते हैं। किसी सरकारी ऑफिस में एक चपरासी के पद के लिए पीएचडी, इंजीनियरिंग और अन्य उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल किये हुए युवा भी लाइन में खड़े दिख सकते हैं। ऐसी बातें मीडिया की खबरें भी बनती हैं। बहरहाल हर अंतराल पर कई तरह के सर्वे और रिसर्च स्टडीज, डाटा इत्यादि पर आधारित मीडिया की सुर्खियां बताती हैं कि हमारे अधिकांश ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट स्टूडेंट नौकरियों की स्किल्स नहीं होने के कारण नौकरियों में भर्ती नहीं हो पाते। तो यह भी बेरोजगारी बढ़ने का अहम कारण है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि देश में साल 2019 तक लगभग 18 करोड़ बेरोजगार थे। जानकारों का मानना है कि बीते वर्षों में इसमें 11 फीसदी या इससे कुछ अधिक का इजाफा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2022 में वर्ल्ड एंप्लॉयमेंट एंड सोशल आउटलुक ट्रेन्ड 2022 नाम का एक दस्तावेज जारी किया।

दस्तावेज में अनुमान था कि कोविड के आने के बाद दुनिया भर में कामकाज की स्थितियां बेहतर होने में अभी कुछ और वक्त लग सकता है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि कोविड-19 के अलग-अलग वेरिएंट जैसे कि डेल्टा या ऑमिक्रॉन इत्यादि का भी रोजगार पर भविष्य में सीधा असर पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि महामारी या और लॉकडाउन लगने जैसी परिस्थितियों से बाजार में कई तरह की अनिश्चितताएं होती हैं। इसके चलते स्वास्थ्य, सुरक्षा, समानता तथा सामाजिक सुरक्षा इत्यादि व्यवस्थाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इससे बाजार में मौजूद रोजगार के अवसर कम होते हैं। जो नौकरियां होती हैं उन पर भी कई तरह के संकट आ जाते हैं। हमने देखा है कि कोविड-19 के दौरान हमारे देश में भी अनेक क्षेत्रों में नौकरियों पर संकट छाया रहा। वर्क फ्रॉम होम जैसी सुविधाजनक लगने वाली काम की परिस्थितियां सभी क्षेत्रों में लागू नहीं हुई और लंबे समय तक अनेक छोटे बड़े संस्थानों ने कर्मचारियों के वेतन व भत्तों आदि में भी कटौती की। संगठित क्षेत्रों में इस तरह की कटौती होने से असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़े ।

बहरहाल कोविड के बाद परिस्थितिंया धीरे-धीरे ही सही लेकिन सामान्य होने की दिशा में जा रही हैं। लेकिन जॉब मार्केट में हालात ग्लोबल स्तर भी अच्छे नहीं हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां अब भी छंटनियां कर रही हैं। हमारे यहां लोकल स्तर पर भी हालात सुधरने में वक्त लगना तय है। देशभर में बेरोजगारी बहुत विकराल रूप में दिखती है। बाजार में नौकरियां इसके अनुपात में दिखती ही नहीं। इसे समझने किसी प्रकार के अर्थशास्त्र के ज्ञान की आवश्यकता नहीं है कि अगर लोगों के पास किसी भी तरह का रोजगार होगा तो उनके पास पैसा होगा जिसे वे खर्च कर सकते हैं। और यह खर्च किया हुआ रुपया ही बाजार में आता है। इससे दूसरे कई लोगों के लिए धंधा-पानी का जुगाड़ होता है। नौकरियां तो अहम हैं। इसके लिए रोजगार के अवसर निर्माण की दिशा में काम करना जरूरी है। अब बड़ा प्रश्न। नौकरियां मिले कैसे। क्या हर किसी के लिए नौकरी ही आय का प्रमुख स्रोत हो सकती है। इसके दो जवाब हो सकते हैं। हां भी और नहीं भी। नौकरियां तो स्किल्स से मिलेंगी। सरकारी भी और निजी भी। लेकिन हर किसी के लिए नौकरी ही आय का मुख्य जरिया नहीं हो सकती।

बहुत से लोग खुद के व्यवसाय से भी आय अर्जित करते हैं। लेकिन फिर भी बेरोजगारी दूर करने के लिए नौकरियों के अवसर तैयार करना ही सबसे बड़ा और प्रभावी कदम हो सकता है। तो ऐसा कैसे किया जा सकते है। इसे कुछ बातों से समझें तो तस्वीर कुछ हद तक साफ हो सकेगी। हमारे यहां हर साल लाखों युवा कॉलेजों से निकल कर जॉब खोजते हैं। बहुत कम लोग ही स्वरोजगार की तरफ जाते हैं। युवाओं के पास मार्केट को समझने की कोई खास स्किल्स या ट्रेनिंग नहीं है। हमारे यहां सरकारी नौकरियों की संख्या भी बढ़ नहीं रही है। ऑफिसों में खूब काम है पर नौकरियां आनुपातिक रूप में कम निकलती हैं। निजी क्षेत्र की नौकरियां निकलने वाले सिस्टम का कोई खास ढांचा नहीं है। इस पर फोकस कर जरूर कुछ किया जा सकता है। सरकारों को अपने तंत्र में मौजूद नौकरियों का एक रिव्यू करना चाहिए। रिटायरमेंट की उम्र का भी रिव्यू करें। हमारे देश में गवर्नमेंट के सर्विस सेक्टर में खूब नौकरियों के अवसर हैं।

सिस्टम्स में अवसरों की मौजूदगी को देखना होगा। निजी क्षेत्रों में नौकरियां देने वाले उद्यमों के लिए भी कानून बनें कि वे अपने यहां काम करने वाले लोगों को अच्छा वेतन तथा भत्ते आदि दें। हमें एक सस्टेनेबल जॉब मार्केट भी चाहिए। और अंत में। बेरोजगारी कभी खत्म नहीं हो सकती। हां इसे बहुत कम जरूर किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि साल दर साल युवा बाजार में रोजगार के लिए आते रहेंगे। स्कूलों, कालेजों से निकले ये युवा नौकरियों की तलाश में बाजार में भटके नहीं तो हम इसके लिए क्या कर सकते हैं। इस सवाल का जवाब कुछ तथ्यों में छिपा है। हमें अपने देश की मौजूदा मार्केट इकॉलाजी पर कुछ काम करने की जरूरत है। भारत युवा आबादी वाला एक बहुत विशाल देश है। वर्कफोर्स के लिहाज से देखें तो यहां कई संभावनाएं दिखती हैं। हमारे पास बहुत बड़ा बाजार है। इसका इस्तेमाल करना होगा।

जरनैल रंगा

हजरस चिराग योजना के विरोध में नरवाना में लेगी कठोर फैसला

चिराग योजना के अंतर्गत सत्र 2023- 24 के लिए आए निर्देशों के अनुसार सीधा प्रभाव सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे छात्र संख्या पर होगा : ओमप्रकाश सरोहा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के राज्य कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सरोहा ने प्रैस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि चिराग योजना के अंतर्गत सत्र 2023- 24 के लिए आए निर्देशों के अनुसार सीधा प्रभाव सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे छात्र संख्या पर होगा। इसके तहत केवल वही विद्यार्थी चिराग योजना के तहत मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिला ले सकेंगे जिन्होंने गत वर्ष की परीक्षा सरकारी विद्यालयों से पास की है। इसका सीधे तौर पर अर्थ यह हुआ कि जितने बच्चे चिराग योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में दाखिला लेंगे उतनी ही संख्या सरकारी विद्यालयों की छात्र संख्या घटेगी। जबकि पहले ही विभाग कम छात्र संख्या वाले 4 हजार विद्यालयों को दूसरे विद्यालयों में मर्ज कर चुका है। इसका सीधा सा मतलब है कि चिराग योजना सरकारी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने और सरकारी विद्यालयो को बन्द करने की नई योजना है। यह योजना उन ग्रामीण और ग्रामपंचायतो की भावनाओ को ठेस पहुचाने वाली है जिन्होंने सरकारी स्कूल बनवाने मे अपनी भूमि दान मे दी थी कि सरकार ऐसे कदम उठाए जिससे शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाकर छात्र संख्या घटने की बजाय बढ सके। यदि सरकार 180000 से कम आय वाले अभिभावकों को की सहायता करना ही चाहती है तो उन पर यह शर्त लगाना कि गत परीक्षा सरकारी स्कूल से पास की हुई हो कि शर्त को हटाना चाहिए। जिससे पहले से ही निजी विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों को लाभ मिल सके। जिला प्रधान राज पाल बामणिया ने कहा कि सरकार एक तरफ तो अध्यापको से गैर शैक्षणिक कार्य करवाकर शिक्षा को कमजोर करना चाहती है। ऊन्होने कहा कि यह जरूरी नही है कि प्राइवेट स्कूलों मे दाखिला होने के बाद सरकार लगातार बच्चो की फीस भरेगी। सरकार कुछ समय बाद यह सुविधा बन्द करके कमजोर वर्ग के बच्चो का भविष्य अंधकारमय बना सकती है।इससे पूर्व 134ए के तहत दाखिला मिलने वाले बच्चो के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता था। जिला सचिव रमेश थाना ने कहा कि इस फैसले पर सरकार को बच्चो के हित मे पुनर्विचार करना चाहिए। ऊन्होने कहा कि अगर सरकार इस विषय पर पुनर्विचार नही करती तो हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ की 22 जनवरी को नरवाना (जीन्द) मे होने वाली राज्यस्तरीय मीटिंग मे

कठोर फैसला लेकर सरकार के खिलाफ आन्दोलन का बिगुल बजा सकती है।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

सरकार की जनहित की नीतियों को जन जन तक पहुंचाए कार्यकर्ता : धर्मवीर मिर्जापुर

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सर्किट हाउस में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आत्म प्रकाश मनचंदा, थानेसर विधायक सुभाष सुधा, दीपक चौहान व कुरुक्षेत्र मंडल कार्यकर्ताओं ने पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर का बुके व फूल मालाओं से अभिनन्दन किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आत्म प्रकाश मनचंदा व थानेसर विधायक सुभाष सुधा ने संगठन के कार्यों के लिए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रेरित किया।

पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर ने अभिनन्दन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड जी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल व आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की नीति सबका साथ सबका विकास के तहत विकास कार्यों को आगे बढ़ाकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड जी के विश्वास पर पूरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। मिर्जापुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप संगठन के द्वारा दिए कार्यों को पूरा करें। जिससे सरकार की जनहित व समाजहित की नीतियों की जानकारी जन जन तक पहुंच सके और वह उससे लाभ उठा सकें। इसका पार्टी को लाभ मिलेगा और आपकी सरकार बार बार रिपीट होगी और जिसका लाभ आपको भी मिलेगा। उन्होंने कहा संगठन सब देखता है और भाजपा में काम करने वाले कार्यकर्ता को महत्व मिलता है।

इस अवसर पर रामपाल, प्रदेश सचिव अनुसूचित जाति मोर्चा रामपाल पाली, विनीत कवातरा, रेणू खुग्गर, अमित रोहिल्ला, देवी लाल शर्मा, आचार्य राममेहर, हरीश अरोडा, नरेन्द्र जांगडा, रामपाल डाबर, हिमांशु भारद्वाज, अशोक जाडू, प्रदीप सैनी, राजकुमार सिक्का, विवेक भारद्वाज, मोहन लाल अरोड़ा, डी डी बतरा, यशपाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

एक ही परिवार के 6 सदस्य की मौत

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, तहसील कैंप में गुरूवार सुबह अब्दुल करीम व अफरोजा 4 बच्चों समेत जिंदा जल गए। शुरूआती जांच के बाद स्क्शशांक कुमार सावन बोले- यहां रात में गैस सिलेंडर लीक हुआ, सुबह चाय बनाने के लिए आग जलाई तो धमाका हो गया। जिसके बाद सभी घुटन से बेहोश हो गए और झुलसकर जिंदा जल गए।

जिस कमरे में अब्दुल करीम और अफरोजा अपने बच्चों इशरत खातून, रेशमा, अब्दुल शकूर व अफान के साथ रहते थे, वह सिर्फ 8 गुणा 10 फुट का है। नीचे गोदाम है, ऊपर 2 कमरे बने हुए हैं। एक में अब्दुल करीब और दूसरे में दूसरा परिवार रहता है। जिस कमरे में अब्दुल परिवार के साथ रहता था, उसी में किचन भी थी और सोने का बैड भी।

रात को सोने से पहले अफरोजा ने दरवाजे को अंदर से ताला लगा रखा था। अचानक आग लगी और धमाके के साथ अंदर के कपड़े जलने लगे। अफरोजा या अब्दुल को इतना वक्त नहीं मिला कि दरवाजा खोल सकें। आग और धुआं इतना ज्यादा था कि न चाबी मिली और न दरवाजा दिखा।

जब सिलेंडर लीक होने के बाद आग लगी तो अब्दुल और अफरोजा को बच्चों समेत भागने की जगह न मिली। छोटा सा कमरा था तो सभी उसी में घिरकर रह गए। न वे खुद बच सके और न अपने 4 बच्चों में से किसी को बचा सके।

बगल के कमरे में रहने वालों ने चीखपुकार सुनी। वह दौड़े-दौड़े आए। दरवाजा पीटा लेकिन वह अंदर से बंद था। वह समझ गए कि कोई बड़ी अनहोनी हो गई। तुरंत दरवाजा तोड़ा तो अंदर कोई इंसान नहीं बल्कि आग का गोला दिखा। वह बचाने दौड़े लेकिन बचाने लायक कुछ बचा नहीं था। तब तक तो सब कुछ जलकर खाक हो चुका था। चंद मिनट पहले का इंसान अब कंकाल बन चुका था।

मामले की जानकारी देते हुए मोहम्मद कफील ने बताया कि वह मृतक अब्दुल करीम का जीजा लगता है। उसने बताया कि अब्दुल पिछले करीब 8 साल से पानीपत में रहता था। यहां पर वह अलग-अलग कॉलोनियों में कमरा ले चुका था। उसकी बेटियां जवान हो रही थी, जिनकी सुरक्षा के चलते उसने यह सेपरेट कमरा तलाशा। पहले से 400 अधिक में यह कमरा किराए पर लिया। उसने बताया कि अब्दुल पहले वाले कमरे का 1800 किराया दे रहा था। जबकि इस कमरे का 2200 किराया और 300 रुपए बिजली बिल था।

बेटी का सोंधापुर के रहने वाले युवक से इस रविवार को रिश्ता पक्का होना था। अब्दुल करीम कॉलोनी की फैक्ट्री में काम करता था। जबकि उसकी पत्नी अफरोजा दूसरी फैक्ट्री में काम करती थी। दोनों बेटियां खोतपुरा की एक फैक्ट्री में काम करने जाती थी। वहीं दोनों छोटे बेटे तहसील कैंप सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के छात्र थे।

परिवार संग जिंदा जली इशरत खातून की जल्द डोली उठनी थी लेकिन वह नींद से ही नहीं उठी। असल में इसरत परिवार की सबसे बड़ी बेटी थी। पिता अब्दुल करीम और मां अफरोजा उसके निकाह की तैयारी में थे।

अवैध असला सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, सी आईए वन पुलिस की टीम ने अवैध असला सप्लाई करने वाले एक आरोपी को गांव राणा माजरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दिलशाद उर्फ गुंगा पुत्र सुक्रद्दीन निवासी राणा माजरा पानीपत के रूप में हुई।

सीआईए वन प्रभारी इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया कि उनकी टीम ने गत सोमवार को थर्मल बाइपास के पास से गांव उंटला निवासी अजीत उर्फ जीता पुत्र बीजा को एक 32 बौर के अवैध देसी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ थाना मतलौडा में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पूछताछ की तो आरोपी अजीत उर्फ जीता ने उक्त देसी पिस्टल गांव राणा माजरा निवासी दिलशाद उर्फ गूंगा पुत्र सुक्रद्दीन से 3 हजार रूपए में खरीदकर लाने बारे स्वीकारा था।

इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया की आरोपी अजीत उर्फ जीता को माननीय न्यायालय से एक दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पुलिस टीम ने बुधवार को आरोपी की निशानदेही पर दंबिस देकर असला तस्कर आरोपी दिलशाद उर्फ गूंगा को गांव राणा माजरा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी दिलशाद ने आरोपी अजीत उर्फ जीता को उक्त देसी पिस्टल 3 हजार रूपए में बेचने बारे स्वीकारा। आरोपी दिलशाद ने 2 हजार रूपए खाने पीने में खर्च दिए, आरोपी के कब्जे से बचे 1 हजार रूपए बरामद हुए। गहनता से पूछताछ करने के बाद पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उन्हें न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया।

भारत जोड़ो यात्रा से हरियाणा के युवाओं को मिली एक नई उम्मीद : प्रदीप चौधरी

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल, युवा कांग्रेस के करनाल जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देश में बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश और प्रदेश में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा को हर जगह पर 36 बिरादरी के लोगों को जनसमर्थन मिला ओर हरियाणा प्रदेश में जगह-जगह पर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत हुआ। युवा कांग्रेस के करनाल जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी तरावड़ी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि युवा कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी का करनाल की रोड धर्मशाला में जोरदार स्वागत किया गया था ओर उन्होंन हवन यज्ञ में भी हिस्सा लिया था, इस दौरान रोड समाज के लोगों ने राहूल गांधी जी के साथ हरियाणा के विशेष मुद्दों पर चर्चा की थी। युवा कांग्रेस के करनाल जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने कहा कि रोड धर्मशाला में राहुल गांधी जी के पहुंचने पर समाज के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है और रोड समाज भी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब हर जगह पर कांग्रेस पार्टी की लहर चल चुकी है। बता दें कि हरियाणा में पहुंचने पर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में प्रदीप चौधरी ने भी हजारों युवाओं के साथ हिस्सा लिया और कई किलोमीटर तक राहुल गांधी के साथ यात्रा में पैदल भी चले। प्रदीप चौधरी ने कहा कि ऐसी यात्रा न तो देश में पहले हुई और न ही कभी होगी। उन्होने बताया कि पानीपत रैली ने भी हरियाणा प्रदेश की सभी रैलियों का रिकार्ड तोड़ दिया, जिसमें राहुल गांधी भीड़ देखकर उत्साह में नजर आए। प्रदीप चौधरी ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्होंने राहुल गांधी से बेरोजगारी और अहम मुद्दों पर चर्चा की और बताया गया कि हरियाणा के नौजवान को भारत जोड़ों यात्रा से एक नई उम्मीद मिली है कि कांग्रेस सरकार आऐगी और युवा का भविष्य सुरक्षित होगा ओर बेरोजगारी से छुटकारा मिलेगा।

चिरायु कार्ड बनवाने के लिए सभी सीएससी सेंटर पर 13, 14 व 15 जनवरी को आयोजित होंगे विशेष शिविर : शांतनु

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का प्रदेश सरकार ने दायरा बढ़ाकर चिरायु हरियाणा योजना लागू की है। इसलिए अधिकारी चिरायु योजना के पंजीकरण के कार्य को प्राथमिकता दें ताकि जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों को समय पर इसका लाभ मिल सके। अहम पहलू यह है कि कुरुक्षेत्र जिला में चिरायु योजना के कार्ड वितरण को लेकर आगामी 13, 14 व 15 जनवरी को सभी सीएससी पर चिरायु कार्ड वितरण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अब योग्य पार्थी अब निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) से अपना चिरायु कार्ड बनवा सकते है। इसके लिए सभी सीएससी संचालकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है। यह निर्णय लोगों की सुविधा के लिए लिया गया है।

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों

को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है। कुरुक्षेत्र जिले में 2 लाख 76 हजार 977 पात्र लोगों के कार्ड बनाने के लक्ष्य को पूरा करना है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 1 लाख 52 हजार 512 लोगों के कार्ड बनाए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग आगामी कुछ दिनों में चिरायु कार्ड के लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 13, 14 व 15 जनवरी को सभी सीएससी स्तर पर शिविरों का आयोजन करके चिरायु कार्डों का वितरण किया जाएगा। सभी योग्य प्रार्थी अपना फैमिली आईडी नंबर लेकर सीएससी सेंटर में जाकर अपनी के वाईसी या बायोमेट्रिक थंब के माध्यम से अपना चिरायु कार्ड प्रिंट करवा सकते है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आंगनवाड़ी वर्कर और सीएससी सेंटर को चिरायु कार्ड लाभ पात्रों की सूची उपलब्ध करवाई गई है। योग्य प्रार्थी अपने नजदीकी सीएससी सेंटर व आंगनबाड़ी वर्कर के पास अपना नाम चेक करवा सकते है तथा सीएससी के माध्यम से अपने चिरायु कार्ड का प्रिंट ले सकते है।

उन्होंने कहा कि जिले में शेष योग्य प्रार्थियों से लगातार अपील की जा रही है कि योग्य पार्थी अपने नजदीक सीएससी से चिरायु कार्ड बनवा ले और स्वास्थ्य विभाग का प्रयास रहेगा कि आगामी कुछ दिनों में इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाए। अधिक से अधिक गरीब परिवारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मुहैया करवाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बीपीएल परिवारों की वार्षिक आमदनी सीमा को 1.20 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपए किया गया है। यह योजना पूरी तरह से कैशलेस, पेपरलेस, पारदर्शी, डिजिटल और आईटी संचालित है, जो पूरे हरियाणा में कुल 729 सार्वजनिक और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में पीएमजेएवाई दिशा-निर्देशों के अनुसार मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाती है।

गणतंत्र दिवस पर विशेष (26 जनवरी)

भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है, और यह सरकार के ढांचे, सरकार की शक्तियों और कर्तव्यों और नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों की रूपरेखा तैयार करता है। यह नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है, और यह सुनिश्चित करता है कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है।

हर साल 26 जनवरी को भारत में गणतंत्र दिवस बड़ी भव्यता और गर्व के साथ मनाया जाता है। यह स्वतंत्र भारत के संविधान का सम्मान करने का दिन है। नया संविधान डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा प्रबंधित मसौदा समिति द्वारा तैयार किया गया था। हम सभी जानते हैं कि इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। हम जानते हैं कि हमारे देश को 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिली थी और इस शुभ दिन पर हमारा संविधान पूरी तरह से लागू हुआ था। तभी से हम गणतंत्र दिवस को बड़े ही शान से मना रहे हैं। गणतंत्र दिवस को गणतंत्र दिवस के नाम से भी जाना जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमें यह आजादी कैसे मिली और हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना चाहिए, जिन्होंने भारत के लोगों के लिए अपना कीमती जीवन कुर्बान कर दिया। संघर्ष इतना आसान नहीं था और यह पूरी तरह से अहिंसा, सहयोग, गैर-भेदभाव और अहिंसा पर आधारित था।

देश भर के सरकारी संस्थानों व शिक्षण संस्थानों में मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

खास तौर से सरकारी संस्थानों एवं शिक्षण संस्थानों में इस दिन ध्वजारोहण, झंडा वंदन करने के पश्चात राष्ट्रगान जन-गन-मन का गायन होता है और देशभक्ति से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

देशाक्ति गीत, भाषण, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं के साथ ही देश के वीर सपूतों को याद भी किया जाता है और वंदे मातरम, जय हिन्दी, भारत माता की जय के उद्घोष के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो जाता है।

इस दिन आयोजित कार्यक्रमों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण भी किया जाता है और मिठाई वितरण भी विशेष रूप से होता है। बच्चों में इस दिन को लेकर बेहद उत्साह होता है।

भारत की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर विशेष आयोजन होते हैं। देश के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर शहीद ज्योति का अभिनंदन करने के साथ ही उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं।

इस दिन विशेष रूप से दिल्ली के विजय चौक से लाल किले तक होने वाली परेड आकर्षण का प्रमुख केंद्र होती है, जिसमें देश और विदेश के गणमान्य जनों को आमंत्रित किया जाता है। इस परेड में तीनों सेना के प्रमुख राष्ट्रीपति को सलामी दी जाती है एवं सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार, प्रक्षेपास्त्र एवं शक्तिशाली टैंकों का प्रदर्शन किया जाता है एवं परेड के माध्यम से सैनिकों की शक्ति और पराक्रम को बताया जाता है।

गांव से लेकर शहरों तक, राष्ट्रभक्ति के गीतों की गूंज सुनाई देती है और प्रत्येक भारतवासी एक बार फिर अथाह देशभक्ति से भर उठता है।

पूर्ण स्वराज की घोषणा

भारत में लाहौर अधिवेशन में इस प्रस्ताव की घोषणा की गयी की यदि अंग्रेज सरकार द्वारा 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमीनियम का दर्जा नहीं दिया गया तो भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्र घोषित कर दिया जाएगा। इस बात पर जब ब्रिटिश सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया। तब भारतीय कांग्रेस द्वारा 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज घोषित कर दिया गया। यह अधिवेशन पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में दिसम्बर 1929 में हुआ था।

26 जनवरी का दिन भारतीय के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। 26 जनवरी 1950 को ही भारतीय संविधान लागू किया गया था। जिसके पश्चात हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भारतीय अधिनियम एक्ट को हटा कर भारतीय संविधान को लागू किया गया था व लोकतान्त्रिक प्रणाली के साथ भारतीय संविधान को जोड़ा गया था। 26 जनवरी के दिन नई दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमे भारत के राष्ट्रपति द्वारा ध्वजारोहण किया जाता है।

2 वर्ष 11 माह व 18 दिन में बना था संविधान

भारत की आजादी के बाद 9 दिसम्बर 1947 को संविधान सभा बनाने की शुरुआत की जिसे 2 वर्ष 11 माह व 18 दिन में बना कर तैयार किया गया। इसी दिन भारतीय कांग्रेस सरकार द्वारा भारत में पूर्ण स्वराज को भी घोषित कर दिया गया था और उस दिन से 26 जनवरी गणंतत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान निर्माण के लिए 22 समितियों का चुनाव किया गया। जिनका कार्य संविधान का निर्माण करना व संविधान बनाना था। सविधान सभा द्वारा संविधान निर्माण के लिए 114 दिन की बैठक की गयी जिसमे 308 सदस्यों ने भाग लिया इस बैठक के मुख्य सदस्य डॉ राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवहरलाल नेहरू, डॉ भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद आदि थे।

इनके अलावा संविधान सभा बैठक में जनता अथवा प्रेस को भी शामिल किया गया था। भारतीय संविधान को बनने में कुल 2 वर्ष 11 माह व 18 दिन का समय लगा जिसके बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान पुरे देश में लागू किया गया। 26 जनवरी की महत्व बनाये रखने के लिए व भारत के गणतंत्र स्वरूप को मान्यता देने के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन 1950 को देश में कानून और भारतीय शासन को लागू कर दिया गया।

भारतीय संविधान

अनुच्छेद व भाग – 280 से 329

अनुच्छेद 280 : वित्त आयोग
अनुच्छेद 281 : वित्त आयोग की सिफारिशे
282 संघ या राज्य द्वारा अपने राजस्व के लिए जाने वाले व्यय.
283 संचित निधियों, आकस्मिकता निधियों और लोक लेखाओं में जमा धनराशियों की अभिरक्षा आदि.
284 लोक सेवकों और न्यायालयों द्वारा प्राप्त वादकर्ताओं की जमा
अनुच्छेद 292 : भारत सरकार द्वारा उधार लेना
अनुच्छेद 293 : राज्य द्वारा उधार लेना
अनुच्छेद 300 क : संपत्ति का अधिकार
अनुच्छेद 301 : व्यापार वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 309 : राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की भर्ती और सेवा की शर्तों
अनुच्छेद 310 : संघ या राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की पदावधि
अनुच्छेद 313 : संक्रमण कालीन उपबंध
अनुच्छेद 315 : संघ राज्य के लिए लोक सेवा आयोग
अनुच्छेद 316 : सदस्यों की नियुक्ति एवं पदावधि
अनुच्छेद 317 : लोक सेवा आयोग के किसी सदस्य को हटाया जाना या निलंबित किया जाना
अनुच्छेद 320 : लोकसेवा आयोग के कृत्य
अनुच्छेद 323 क : प्रशासनिक अधिकरण
अनुच्छेद 323 ख : अन्य विषयों के लिए अधिकरण
अनुच्छेद 324 : निर्वाचनो के अधिक्षण निर्देशन और नियंत्रण का निर्वाचन आयोग में निहित होना
अनुच्छेद 329 : निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालय के हस्तक्षेप का वर्णन।

साधक की प्रार्थना होती है परमात्मा को स्वीकार : महामंडलेश्वर

दातार से दातार को ही मांगों : स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि जब साधक की प्रार्थना परमात्मा को स्वीकार होती है तो यह प्रियतम पिता परमात्म का संपूर्ण और अनंत ज्ञान, अनंत प्रेम, अनंत सौहार्द और सामर्थ्य का जिज्ञासु को एहसास और अनुभव कराता है। देखते ही देखते विकट से भी विकट आपतियों-विपतियों, संशय, भय और अज्ञानता के बादल छू-मंतर हो जाते है और साधक अपने आप में सहज, प्राकृतिक, अमन चैन का अनुभव, परममौन और आत्मआनंद से सराबोर हो जाता है। ऐसा ज्ञानवान महापुरूष संसारी आसक्ति, मोहपाश, अपने आप को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृति से निजात पाकर अपने आप में आत्मनिष्ठ और ब्रह्मनिष्ठ हो मनुष्य जीवन को सार्थक सिद्ध कर लेता है। इस एकरस ओत-प्रोत जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं विश्वाधार परमात्मा के आगे सांसारिक क्षणभंगुर सुखों-वैभवों, मकान, दुकान और संतान के लिए प्रार्थना ना करो। ऐसे प्रार्थना ना करो कि हे प्रभु, हे सतगुरू मुझे अमुक संसार की वस्तु दे दो, अमुक समय पर दो, स्त्री और संतान का सुख दो, संसार की धन सपंदा दो, यश-मान और कीर्ती दे दो आदि ऐसा निर्णय स्वयं ना करो और इन सब सांसारिक और नाश्वान चीजों के लिए प्रार्थना ना करो। इस दातार से संसार की दातें ना मांगो बल्कि दातार से दातार को ही मांगों। संसार के सुख-भोगों से पहले संयोग होता है फिर बाद में वियोग होता है। पहले इनसे क्षणिक सुख मिलता है परंतु बाद में विकट परिस्थितियों, वियोग और दुःखों का सामना करना पड़ता है। जब यह क्षणभंगुर सुख मिलते है तो बहुत अच्छा लगता है परंतु बाद में बहुत ही पछताना पड़ता है, बहुत दुःखों का सामना करना पड़ता है और अंततः अभागा जीव हाथ मलता रह जाता है। जब तक बाहर के सबंध और संयोग है तो वास्तव में तो क्या सपने में भी सुख-शांति और सुकुन नही मिल सकता। पैदा होने वाला और नष्ट होने वाला सबंध और सुख हमेशा नही रहता।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा मंच की कार्यकारणी का सर्वसम्मति से हुआ गठन

प्रवीन धानिया बने डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा मंच के प्रधान

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा मंच बडसीकरी कलां की महत्वपूर्ण बैठक डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय में संरक्षक समाजसेवी गुरदेव अम्बेडकर बडसीकरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुस्तकालय को सुचारू रूप से चलाने व मंच के गठन पर चर्चा हुई। इस बैठक में डॉ भीमराव अम्बेडकर युवा मंच की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें प्रभारी- कुलदीप धानिया व सन्जू बाल्मिकी, अध्यक्ष- प्रवीन धानिया, उपाध्यक्ष- गुरमीत राठी व संदीप कश्यप, महासचिव - अभिषेक , कोषाध्यक्ष - मोनू , संगठन सचिव - सावन , सचिव - सुल्तान धानिया, मिडिया प्रभारी - गुरजेंन्ट राठी , कानून सलाहकार - रोहित राठी, पुस्तकालय प्रभारी - आंनद, राहुल धानिया , मनीष कश्यप महत्वपूर्ण पद सौंपे। मदन लाल, गुरमीत बडसीकरी, सोनू राठी व संदीप धानिया, दलबारा धानिया, प्रदीप राठी,विक्रम धानिया, अजय धानिया, गुरमीत धानिया, राहुल धानिया कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए

संरक्षक एवं समाजसेवी गुरूदेव अम्बेडकर बडसीकरी ने बताया कि यह मंच गांव में पिछले 12 सालों से डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय चला रहा है। मंच द्वारा गांव के शमशान घाट, सरकारी स्कूल, जल घर व गांव के गन्दे पानी के नाले की साफ सफाई अभियान चलाया जाता है, ताकि शिक्षा के साथ साथ गांव में साफ सफाई भी रहे। नवनियुक्त प्रधान प्रवीन धानिया ने कहा कि साथियों द्वारा मुझे जिम्मेदारी दी गई है उसे तन मन धन से निभाते हुए निस्वार्थ सेवा करूंगा और सभी साथियों को साथ लेकर चलूंगा।

बसवा टीम ने गांव छात्तर पुस्तकालय में भेंट की लेखन सामग्री

गजब हरियाणा न्यूज

जींद । बहुजन युवा जागृति अभियान के तहत बसवा टीम द्वारा गांव छात्तर में पुस्तकालय के लिए कापी, पेंसिल, किताब, चार्ट और महापुरुषों के चित्र भेंट किए गए। प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखां ने युवाओं को बहुजन आंदोलन से जुडने का आह्वान किया। उन्होंने कहा की आने वाला समय बहुजन समाज के लिए चुनौती भरा है इसलिए युवाओं को बसवा टीम से जुडकर समाज को आगे बढाने के लिए कार्य करने व महापुरुषों के आंदोलन को जमीनी स्तर पर चलाने के लिए तत्पर रहें। बसवा टीम युवा साथियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा की बसवा आशा करती है कि सभी युवा साथी पुस्तकालय का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर अपने शिक्षा व महापुरूषों की विचारधारा के उद्देश्य को प्राप्त करे। इस मौके पर हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष अमित सिंह बेलरखां, जिला जींद अध्यक्ष संदीप लोन, जिला उपाध्यक्ष टिंकू छात्र, जिला महासचिव सुमित भारतीय, उचाना हल्का महासचिव जोगिंदर सिंह मौजूद रहे।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की

जय गुरुदेव जी

वाणी : चलत हलत बैठत उठत , धरि हूं तुम्हरो ध्यान ।।
रविदास तु मुहि मन बसई , चरण कंवल की आन ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु जी मैं चलते फिरते उठते बैठते केवल आप जी का ध्यान लगाता हूं ,इस प्रकार प्रभु जी मेरे ह्रदय में आप जी के चरण कंवल बसते

धन गुरुदेव जी

सबका हित करो

एक दिन एक व्यक्ति बुद्ध के पास पहुँचा। वह बहुत अधिक तनाव में था। अनेक प्रश्न उसके दिमाग में घूम-घूमकर उसे परेशान कर रहे थेङ्कजैसे आत्मा क्या है? आदमी मृत्यु के बाद कहाँ जाता है? सृष्टि का निर्माता कौन है? स्वर्ग-नरक की अवधारणा कहाँ तक सच है और ईश्वर है या नहीं? उसे इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल रहे थे।

जब वह बुद्ध के पास पहुँचा तो उसने देखा कि बुद्ध को कई लोग घेरकर बैठे हैं। बुद्ध उन सभी के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान अत्यंत सहज भाव से कर रहे हैं। काफी देर तक यह क्रम चलता रहा, किंतु बुद्ध धर्यपूर्वक हर एक को संतुष्ट करते रहे। बेचारा व्यक्ति वहाँ का हाल देखकर परेशान हो गया।

उसने सोचा कि इन्हें दुनियादारी के मामलों में पड़ने से क्या लाभ? अपना भगवद् भजन करें और बुनियादी समस्याओं से ग्रस्त इन लोगों को भगाएँ, किंतु बुद्ध का व्यवहार देखकर तो ऐसा लग रहा था मानो इन लोगों का दु:ख उनका अपना दु:ख है।

आखिर उस व्यक्ति ने पूछ ही लिया, 'महाराज आपको इन सांसारिक बातों से क्या लेना-देना?'

बुद्ध बोले, 'मैं ज्ञानी नहीं हूँ, और इनसान हूँ। वैसे भी वह ज्ञान किस काम का, जो इतना घमंडी और आत्मकेंद्रित हो कि अपने अतिरिक्त दूसरे की चिंता ही न कर सके? ऐसा ज्ञान तो अज्ञान से भी बुरा है।' बुद्ध की बातें सुनकर व्यक्ति की उलझन दूर हो गई। उस दिन से उसकी सोच व आचरण दोनों बदल गए। कथा का सार यह है कि ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब वह लोक कल्याण में संलग्न हो।

बढ़ती सर्दी में लाप्रवाही न बरतें : डॉ.बहादुर

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

आराम करें व प्रदूषण वाली जगह से बचें, सोने के बाद बिस्तर से एकदम न उठें क्योंकि खून गाढ़ा हो जाता है। बंद कमरे में अंगीठी न जलाएं।

पिपली । पीएचसी के डॉ. बहादुर ने कहना है कि सर्दी के मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में सर्दी जुकाम और बुखार की परेशानी आम बात है। कई बार ज्यादा ठंड बढने से इन्फेक्शन, गले की समस्या, शरीर में दर्द, खांसी, जुकाम व बुखार आदि का हो जाता है। दिल के मरीजों को फॉग के कारण ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। खानपान तथा रहन-सहन के मामले में खास ध्यान देने की जरूरत होती है। सर्दी होने पर गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें। गर्म पानी पिएं। ऐसे मौसम में वायरल बुखार के मामले ज्यादा बढ़ते हैं। बड़ों के साथ बच्चे भी वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। इस मौसम में बच्चों तथा बुजुर्गों को एहतियात बरतने की जरूरत है। सर्दी का मौसम होने के कारण सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां लोगों को परेशान कर रही हैं। पहले बच्चे इनकी चपेट में आते हैं। उन्होंने कहा कि दिल के मरीज सुबह की सैर न करें, दमा वाले मरीज ज्यादा

जुगाली

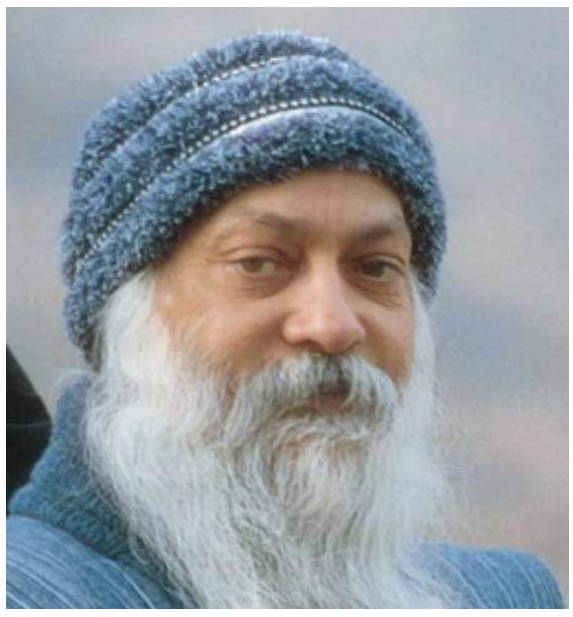

वह जो अननोन है, नोन के घेरे में कैसे पकड़ में आएगा। वह अज्ञात है, वह ज्ञात में कैसे पकड़ा जाएगा। इसलिए विचार करना जुगाली करने से ज्यादा नहीं है। कभी भैंस को दरवाजे पर बैठा हुआ जुगाली करते देखा हो। घास उसने खा लिया है, फिर उसी को निकाल-निकाल कर वह चबाती रहती है।

जिसको हम विचार करना कहते हैं, वह जुगाली है। विचार हमने इकट्ठा कर लिए हैं किताबों से, शास्त्रों से, संप्रदायों से, गुरुओं से, कॉलेजों से, स्कूलों से, चारों तरफ विचारों की भीड़ है, वे हमने इकट्ठे कर लिए हैं, फिर हम उनकी जुगाली कर रहे हैं। हम उन्हीं को चबा रहे हैं बार-बार। लेकिन उससे अज्ञात कैसे हमारे हाथ में आ जाएगा?

अगर अननोन को जानने की आकांक्षा पैदा हो गई हो, अगर अज्ञात को पहचानने का खयाल आ गया हो, तो वह जो नोन है, उसे विदा कर देना होगा, उसे नमस्कार कर लेना होगा, उससे कहना होगा अलविदा। उससे कहना होगा, तुमसे क्या होगा, तुम जाओ और मुझे खाली छोड़ दो। शायद खालीपन में मैं उसे जान लूं जो मुझे पता नहीं है। लेकिन भरा हुआ मैं तो उसे कभी भी नहीं जान सकता हूं। इसलिए विचारक कभी नहीं जान पाते हैं और जो जान लेते हैं, वे विचारक नहीं हैं। जिसको हम मिस्टिक कहें, जिसको हम संत कहें, वे विचारक नहीं हैं, वे वह आदमी हैं, जिसने कहा कि रहस्य है। अब जानेंगे कैसे, खोजेंगे कैसे, सोचेंगे कैसे, जिसने कहा रहस्य है, मिस्ट्री है, हम अपने को मिस्ट्री में खोए देते हैं। शायद खोने से मिल जाए, जान लें। छोटी सी कहानी से समझाने की कोशिश करूं।

मैंने सुना है, समुद्र के किनारे मेला भरा हुआ था। बहुत लोग उस मेले में गए। दो नमक के पुतले भी गए हुए हैं। और मेले के किनारे, समुद्र के तट पर खड़े होकर लोग सोच रहे हैं समुद्र की गहराई कितनी है। लेकिन वे किनारे पर खड़े होकर सोच रहे हैं। अब समुद्र की गहराई को उस किनारे पर खड़े होकर सोचने से क्या मतलब? समुद्र कितना गहरा है, यह किनारे पर बैठ कर कैसे सोचा जा सकता है! समुद्र में उतरना पड़ेगा। लेकिन विचार करने वाले हमेशा किनारों पर बैठे रहते हैं, वे कभी उतरते नहीं। उतरना और तरह की बात है, विचार करना और तरह की बात है। विचार करने के लिए किनारे पर बैठे होना ठीक है।

नमक के पुतले भी आए हुए थे। उन्होंने कहा: लोग बहुत सोचते हैं, लेकिन कुछ पता नहीं चलता। कोई कितना बताता है, कोई कितना बताता है। और किनारे पर बैठे लोग विवाद करने लगे हैं और झगड़ा शुरू हो गया है। और किसी की बात न सही सिद्ध होती है, न गलत सिद्ध होता है, क्योंकि समुद्र में कोई गया नहीं है। तो नमक के पुतले ने कहा: मैं कूद कर पता लगा आता हूं कि कितना गहरा है। नमक का पुतला कूद भी सकता है, क्योंकि सागर से उसकी आत्मीयता है। नमक का पुतला है, सागर से ही निकला है, जाने में डर भी क्या है। उस सागर में कूद सकता है। वह कूद गया। सारे लोग किनारे पर खड़े होकर प्रतीक्षा कर रहे हैं कि वह निकल आए और बता दे। वो जैसे-जैसे सागर में गहरे जाने लगा, वैसे-वैसे पिघलने लगा। वह नमक का पुतला था। वह सागर में पिघलने लगा, गहरा तो जाने लगा, लेकिन पिघलने लगा। वह गहरा पहुंच भी गया, उसने गहराई का पता भी लगा लिया, लेकिन जब तक पता लगाया, तब तक वह खुद समाप्त हो चुका था।

उसे पता तो चल गया था कि सागर कितना गहरा है, लेकिन लौटने योग्य बचा नहीं कि लौट कर बाहर तट पर लोगों से कह सके कि इतना गहरा है। बहुत लोगों ने प्रतीक्षा की, सांझ होने लगी। उसके मित्र ने कहा कि पता नहीं, मित्र कहां खो गया है। मैं उसका पता लगा आता हूं। वह मित्र जो था नमक का पुतला, वह भी कूद गया। फिर रात घनी हो गई, वह भी नहीं लौटा। वह भी पहुंच गया मित्र के पास। लेकिन जब तक पहुंचा, तब तक खुद खो गया।

फिर सुबह वह मेला उजड़ गया। फिर हर वर्ष वहां मेला भरता है और लोग पूछते हैं, उस आस-पास रहने वाले लोगों से, पुतले वापस तो नहीं लौटे? समुद्र की कितनी गहराई है इसका पता लगाना है? लेकिन वे खुद समुद्र की गहराई में जाने को राजी नहीं।

परमात्मा के किनारे बैठ कर कुछ भी पता नहीं चल सकता है। जाना पड़े और कठिनाई यह है कि जो जाता है, वह खो जाता है। जो जाता है, वह लौट कर कहने योग्य नहीं रह जाता। जो जाता है, वहां से मूक होकर लौटता है। जो जाता है वहां, सब खो जाता है उसका। उसकी आंखों से शायद हम पहचान लें। शायद उसके उठने चलने से पहचान लें। शायद उसके जीने से पहचान लें। लेकिन नहीं, हम शब्दों के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं पहचानते। हम हजारों साल तक शब्दों पर विचार करते रहते हैं।

ओशो
सत्य का दर्शन-(प्रवचन-05)

माता सावित्रीबाई फुले

महान सेविका सावित्रीबाई फुले प्लेग महामारी में रोगियों की सेवा करते हुए वीर-गति को प्राप्त हुई....

दुनिया को कई बार प्लेग, चेचक व हैजा जैसी महामारियों का मुकाबला करना पड़ा। ऐसी विपदा में मानव समाज को खुशहाल देखने वाले लोगों के त्याग व बलिदान को हमेशा याद किया जाता है।

सन् 1896 में भारत में प्लेग का भयंकर प्रकोप फैल गया। ब्रिटिश सरकार ने ऐसे रोगों को काबू करने के लिए पहली बार 'ऐपिडेमिक (महामारी) कंट्रोल एक्ट' निकाला लेकिन रुढिवादियों ने विरोध किया। प्लेग से सबसे ज्यादा मुंबई व पुणे शहर प्रभावित थे। आसपास गांवों में भी फैल गया। हर दिन सैकड़ों लोगों की मौतें हो रही थी। न आधुनिक चिकित्सा सुविधा थी और न ही वैक्सीन।

ऐसी विपदा में भारत की पहली शिक्षिका सावित्रीबाई फुले ने पुणे में एक विशाल केयर सेंटर व क्लिनिक खोला, जहां रोजाना लगभग दो हजार लोगों को भोजन कराया जाता था और आवश्यक इलाज भी। ज्योतिबा फुले का देहांत हो चुका था इसलिए सारी जिम्मेदारी सावित्रीबाई फुले व बचपन में गोद लिए हुए पुत्र डॉ यशवंत ने संभाली। सावित्रीबाई बिना थके व बिना आराम किए रात दिन दुखी पीड़ितों की सेवा में लगी रही।

इसी दौरान प्लेग रोग से संक्रमित एक बच्ची की देखभाल में वह खुद को भूल ही गई और इस रोग की चपेट में आ गई। मानवता की महान सेवा में लगी हुई सावित्रीबाई आखिर 10 मार्च 1897 को छासठ वर्ष की उम्र में प्लेग के कारण वीरगति को प्राप्त हुई। धन्य हो आपके बलिदान को सावित्रीबाई। नमन है ऐसे मानवतावादियों को जो विपदा में दुखी व पीड़ितों की सेवा करते हैं।

पिछले दो साल से कोरोना संकट में मानव सेवा में लगे हुए मेडिकल टीम, प्रशासन व भोजन-वस्त्र दान कर रहे सभी वॉरियर्स के महान योगदान को संपूर्ण मानव समाज नमन करता है।

प्लेग का वैक्सीन बनाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने कॉलेरा का वैक्सीन बना चुके और पेरिस के पाश्चर इंस्टीट्यूट में काम कर रहे उक्रेन के साइंटिस्ट वाल्देमर हाफ्किन से अनुरोध किया। उन्होंने बंबई के ग्रांट मेडिकल कॉलेज की लैब में 1897 में वैक्सीन तैयार किया। उनके सम्मान में इसका नाम डॉ हाफ्किन इंस्टीट्यूट रखा गया। आज उन्ही की बदौलत मानव जगत सुरक्षित है। नमन है ऐसे महामानव को।

सबका मंगल हो..सभी प्राणी सुखी हो..सभी निरोगी हो
आलेख: डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

हमें अपने वोट की ताकत को पहचानना चाहिए : संजय भाटिया

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, करनाल लोकसभा सांसद संजय भाटिया ने बुधवार को पानीपत के एसडी महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि हमें अपने वोट की ताकत को पहचानना चाहिए। आने वाले समय में तकनीकों के माध्यम से मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग नित नए-नए सुधार कर रहा है ताकि उन्हें ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने कहा कि यह युवाओं का समय है इसलिए युवाओं को ज्यादा से ज्यादा वोट करनी चाहिए सशक्त भारत के निर्माण में अपने मत का प्रयोग करना सबसे अहम है। सांसद संजय भाटिया ने कहा कि युवा ही वोट की असली ताकत है। अपने आस-पास के माहौल में हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना चाहिए।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने कहा कि युवा भारत का भविष्य है, जब कोई युवा पहली बार वोट डालता है तो उसे बहुत खुशी होती है। भारतीय संविधान में हर युवा को 18 वर्ष से ऊपर होने के बाद उसे अपने मत का प्रयोग करने का अधिकार दिया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे वोट डालते समय उदासीन रवैया न अपनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा खुद को ब्रांड एंबेसडर समझ कर अपने मत का प्रयोग करें वोट की जिम्मेदारी को स्वयं समझ कर दूसरों को भी समझाएं। उन्होंने भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से भी अपील की कि वह इसे केवल भाषण प्रतियोगिता तक सीमित ना रखें। इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार भी करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अच्छा नागरिक बनने के लिए अपने अध्यापकों और अपने माता पिता का सम्मान करें।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में करनाल लोकसभा सांसद संजय भाटिया को उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने जिला प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट किया। कार्यक्रम से पहले लोकसभा सांसद संजय भाटिया व उपायुक्त सुशील सारवान ने हस्ताक्षर अभियान के तहत अपने

हस्ताक्षर भी किए। इस मौके पर एसडीएम विरेंद्र कुमार ढुल, तहसीलदार निर्वाचन सुदेश राणा, एसडी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनुपम अरोड़ा, निर्वाचन कार्यालय से निर्वाचन कानूनगो पूजा शर्मा, महेन्द्र सिंह, कमल रानी इत्यादि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस मनाने बारे उपायुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत,स्थानीय शिवाजी स्टेडियम के मैदान में 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व तैयारियों बारे लघु सचिवालय में उपायुक्त सुशील सारवान की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त सुशील सारवान ने अधिकारियों से कहा कि गणतंत्र राष्ट्रीय पर्व है और हम सब की यह जिम्मेवारी बनती है कि इस पर्व को हंसी-खुशी और हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

उन्होंने कहा कि सभी राष्ट्रीय पर्वों को हम सभी को सच्ची निष्ठा व ईमानदारी के साथ मनाना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहा देश की जनता का प्यार : मनिंदर सिंह शंटी

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

करनाल, युवा कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष मनिंदर सिंह शंटी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के चलते एकजुट होते भारत और देश में कांग्रेस की बढ़ती लहर से विपक्ष बौखला गया है। भारत जोड़ो यात्रा को पूरे देश का प्यार मिल रहा है। देश की जनता जगह-जगह भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत कर रही है।

हरियाणा में भी हजारों लाखों की संख्या में लोगों ने भारत जोडो यात्रा को भारी संख्या में पहुंचकर सफल बनाया। मनिंदर सिंह शंटी ने भारत जोड़ो यात्रा में करनाल में पहुंचने पर शामिल होने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत जोड़ो यात्रा आगे बढ़ रही है इस यात्रा में लोगों का सैलाब उमड़ता जा रहा है। विपक्ष बौखलाया हुआ है और रोजाना तरह-तरह के बयानबाजी करके इस यात्रा को प्रभावित करने का प्रयास भी किया है, लेकिन देश की जनता अब भाजपा जैसी पार्टियों की नीतियों को समझ चुकी है और एक बार फिर से कांग्रेस पर अपना विश्वास जमा रही हैं, जिससे अब देश में कांग्रेस की लहर बनी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा सरकार से दुखी हो चुकी है। मंहगाई से लोग बेहाल हैं। लोगों अब कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुके हैं।

सर्दी के मौसम में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दी जाने वाली सुविधाओं की, की समीक्षा

गजब हरियाणा न्यूज

अम्बाला,अतिरिक्त उपायुक्त सचिन गुप्ता ने आज उपायुक्त कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ कोविड़-19 के दृष्टिगत जिले में की गई स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था बारे जानकारी ली। उन्होने इस दौरान सर्दी के मौसम में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को स्वास्थ्य संबधी जो सुविधाएं प्रदान की जा रही है उसकी भी समीक्षा की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त सचिन गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कोविड-19 के दृष्टिगत जो व्यवस्थाएं की गई हैं उसकी विस्तार से जानकारी हासिल की। सिविल सर्जन डा0 कुलदीप सिंह ने अतिरिक्त उपायुक्त को अवगत करवाते हुए बताया कि जिला अम्बाला में कोविड-19 के दृष्टिगत सभी चिकित्सा सुविधाएं दुरूस्त हैं। उन्होंने बताया कि यहां पर 6 ऑक्सीजन प्लांट क्रियान्वित हैं, इसके साथ-साथ 300 ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर, ऑक्सीजन बैडों की व्यवस्था के साथ-साथ सैंपल लेने की भी व्यवस्था है। स्वाईन फलू के टैस्ट से सम्बन्धित भी यहां पर लैब कार्य कर रही है। बैडों की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य चिकित्सा सुविधाएं बेहतर एवं दुरूस्त हैं। यदि कोविड-19 से सम्बन्धित यदि कोई वेव आती है तो उससे निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तैयारियां की हुई हैं।

सर्दी के मौसम में जुखाम, बुखार या अन्य कोई भी बिमारी से सम्बन्धित मरीज अस्पताल में आते हैं उन्हें पूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने सर्दी के मौसम में आवश्यक हिदायतों बारे बताते हुए कहा कि पर्याप्त मात्रा में गरम कपड़े रखें। ओढने के लिए बहुपरत के कपड़े भी उपयोगी हैं। आपातकाल की आपूर्ति हेतु तैयार रहें।

शीतलहर के दौरान यथासंभव घर के अंदर रहें, ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। सूखा रहें, यदि गीले हो जाएं तो शरीर की गर्मी को बचाने के लिए शीघ्रता से कपड़े बदलें। निरंगुल दस्ताने को चुने, निरंगुल दस्ताने

ठंड में ज्यादा गरम और ज्यादा अच्छा रक्षा कवच होता है। मौसम की ताजा खबर के लिए रेडियो सुने, टीवी देखें और समाचार पत्र पढें। नियमित रूप से गरम पेय सेवन करें। बुजुर्ग और बच्चों की ठीक से देखभाल करें। ठंड में पाईप जम जाता है, इसलिए पेय जल का पर्याप्त संग्रहण करके रखें। उंगलियों, अंगुठों के सफेद होना या फीकापन, नाक के टिप में शीत दंश लक्षण प्रकट होते हैं। शीत दंश से प्रभावित क्षेत्रों को गर्म नहीं करें, गर्म पानी डालें (शरीर के अप्रभावित हिस्सों के लिए तापमान स्पर्श करने के लिए आरामदायक होना चाहिए)। हायपोथरमिया होने की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को गरम स्थान पर ले जाकर उसके कपड़े बदले। प्रभावित व्यक्ति के शरीर को शरीर के साथ सम्पर्क करके गरम करें। कंबल के बहुपरत, कपड़े, टावेल या शीट से ढकें। शरीर को गरम करने के लिए गरम पेय दें, शराब न दें। हालत बिगडने पर डाक्टरी सलाह लें।

शराब का सेवन न करें, यह शरीर के तापमान को घटाता है। शीतदंश क्षेत्र की मालिश न करें, इससे अधिक नुकसान हो सकता है। कंपकंपी को नजरअंदाज न करें, यह एक महत्वपूर्ण पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है और प्रभावित व्यक्ति को तुरंत घर के अंदर करें।

फसलों को ठंड से बचाने के लिए प्रकाश की व्यवस्था करें और बार-बार सिंचाई/स्प्रिंकलर सिंचाई करें। बिना पके फलों के पौधों को सरकंडा/स्ट्रॉ/पॉलीथिन शीटस/गनी बैग से ढक दें। केले के गुच्छों को छिद्र युक्त पॉलीथिन बैग से ढक दें। धान की नर्सरी में रात के समय नर्सरी क्यारियों को पॉलीथिन की चादर से ढक दें और सुबह हटा दें। शाम की नर्सरी क्यारियों की सिंचाई करें और सुबह पानी निकाल दें। ठंड के मौसम में मिट्टी में पौषक तत्व न डालें, खराब जड़ गतिविधि के कारण अवशोषित नही कर सकते। फरवरी के अंत में या मार्च की शुरूआत में पौधों के प्रभावित हिस्सों की छंटाई करें। काटे गये पौधों पर तांबा कवकनाशी का छिडकाव करें और सिंचाई के साथ एनपीके दें। पशुपालन से सम्बन्धित हिदायतों बारे उन्होने कहा कि मवेशियों को रात के समय शैड के अंदर रखें और उन्हें सुखा बिस्तर लगाकर ठंड से बचाने के लिए प्रबंध करें। ठंड की स्थिति से निपटने के लिए पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए प्रोटिन में आहार में खनीजों को बढाएं। पोल्ट्री शैड में कृत्रिम प्रकाश प्रदान करके चुजों को गर्म रखें आदि बारे विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में सिविल सर्जन डा0 कुलदीप सिंह, डा0 सुखप्रीत, डा0 कुलदीप, डीआरओ कैप्टन विनोद शर्मा, डीईओ सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेन्द्र कुमार, बाल कल्याण परिषद अधिकारी शिवानी सूद के साथ-साथ सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़कर गई भारत जोड़ो यात्राः कुमारी शैलजा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी शैलजा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा हरियाणा में लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़कर गई है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में शायद ही किसी ने 3000 किलोमीटर तक की पैदल यात्रा की हो। हरियाणा में राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा फिरोजपुर झिरका से अंबाला तक की रही। कुमारी शैलजा पिपली रेस्ट हाऊस में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी शैलजा ने कहा कि राहुल गांधी शांति के दूत बनकर आए है। भारत जोड़ों यात्रा में युवा, महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग झंडा लेकर शामिल हुए। आमजन ने महसूस किया कि किसी नेता ने जमीन पर उतरकर उनकी समस्याओं को सुना। आगे भी लोगों को ऐसा नेता चाहिए जो उनकी समस्याओं का हल करे। भारत जोड़ों यात्रा में सभी कांग्रेस कार्यकर्ता साथ मिलकर चले। अब कांग्रेस

कार्यकर्ता भारत जोड़ों यात्रा के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। कांग्रेस नेताओं के आपस में एक साथ होने बारे पूछे जाने पर कुमारी शैलजा ने कहा कि हर संगठन में वर्चस्व की लड़ाई होती है। कांग्रेस पार्टी के संगठन बनाने बारे कुमारी शैलजा ने कहा कि संगठन जल्द ही बनेगा और संगठन में काम करने वाले वर्करों को मौका दिया जाएगा। खेल मंत्री पर लगे आरोपों बारे कुमारी शैलजा ने कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए। कुमारी शैलजा ने कहा कि हरियाणा में क्राइम का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। कानून व्यवस्था को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र को लेकर आमजन ज्यादा परेशान है। सरकार को ऐसी योजनाएं नही लानी चाहिए जिससे की आमजन को परेशानी उठानी पड़े। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव सुरेश यूनिसपुर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा, प्रदेश महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिमला सरोहा, निशी गुप्ता, सुनील, महिला कांग्रेस की जिला प्रधान ग्रामीण मीना शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य कंवरदीप सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कला कीर्ति भवन में मनाई लोहड़ी, ढोल की थाप पर थिरके कुरुक्षेत्र वासी

बरनाला पंजाब के कलाकारों ने मोहा दर्शकों का मन

जिंद माही ले चलियो पटियाले, ओत्थों ल्याई रेशमी नाले.....

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र ।लोक कलाकार सदैव अपनी प्रतिभा तथा हुनर से अपने प्रदेश की संस्कृति का परिचय देते हैं। लोक संस्कृति ही किसी भी प्रदेश को महान् बनाती है। लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जानी वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां न केवल उनके प्रदेश की सभ्यता व संस्कृति का बखान करती है, बल्कि उस प्रदेश के सामाजिक परिवेश का भी दर्शन कराती हैं। ये कहना था कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा का। मौका था कला कीर्ति भवन में हरियाणा कला परिषद् द्वारा आयोजित लोहड़ी व संक्रांत उत्सव का। इस अवसर पर बरनाला पंजाब के कलाकारों ने रुपिंद्र सिंह के निर्देशन में पंजाबी लोक रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पंजाबी संस्कृति की झलक दिखाते कार्यक्रम के दौरान मदन मोहन छाबड़ा बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे। वहीं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य उपेंद्र सिंघल, विजय नरुला तथा आरएसएस के विभाग कार्यवाह प्रितम जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पूर्व हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने मुख्यअतिथि व अन्य अतिथियों को अगंवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी विकास शर्मा तथा हास्य कलाकार शिवकुमार किरमच द्वारा किया गया। पंजाबी कार्यक्रम में पहली प्रस्तुति पंजाबी लोक गायकी की रही, जिसमें पंजाब के कलाकार इबादत् अली और लक्की संधू ने अपनी गायकी से सभी का मन मोहा। इसके बाद लोकनृत्य जिंदूआ में पंजाब की महिला और पुरुष कलाकारों की जुगलबंदी ने दर्शकों का मन मोहा। पंजाब की मुटियारों के साथ गबरु जवान जब जिंदुआ नृत्य के लिए मंच पर पहुंचे तो दर्शकों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। जिंद माही ले चलियो पटियाले, ओत्थों ल्यावीं रेशमी नाले जैसी बोलियां पर थिरकते कलाकारों के साथ दर्शक भी झूमने पर मजबूर थे। पंजाबी रंगों से सराबोर कार्यक्रम में एक के बाद एक बेहतरीन प्रस्तुति ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। जहां एक ओर पंजाबी गायकी से लोग आनंद विभोर हो रहे थे वहीं दूसरी ओर पंजाब के लोकनृत्य झूमर तथा सम्मी ने भी खूब तालियां बटौरी। पंजाब के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया मलवई गिद्दा और भंगड़ा भी अपनी अनूठी छाप छोड़ने में कामयाब रहा। पंजाब के लोकनृत्यों पर कलाकारों के साथ लोग भी झूमते हुए नजर आए। कार्यक्रम के अंत में पंजाबी कलाकारों ने ऐसा धमाल मचाया कि दर्शक भी खुद को नहीं रोक पाए और कलाकारों के साथ खूब ताल से ताल मिलाई ।एक तरफ मंच पर थिरकते कलाकार और दूसरी तरफ सर्द हवाओं के बीच जलती लोहड़ी की गरमाहट लोगों को रोमांचित कर रही थी। हरियाणा कला परिषद के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित सभी दर्शकों ने नाचते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी, ललित कला समन्वयक सीमा काम्बोज, रंगशाला प्रबंधक मनीष डोगरा, रजनीश भनौट, आदि भी उपस्थित रहे।

पिपली में ओवर ब्रिज के नीचे बन रहे गडढ़ों को दुरुस्त करने में की गई खानापूर्ति

सीएम विंडो और पीएमओ में शिकायत देने के बाद भी गड्ढे आज भी ज्यों के त्यों

नेशनल हाइवे के एसडीओ बोले, नगर परिषद के शौचालय की पाइप लाइन के कारण आ रही बार बार दिक्कत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पिपली में धर्मनगरी के मुख्य प्रवेश द्वार गीता द्वार के समीप ओवर ब्रिज के नीचे बने गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए खानापूर्ति की गई है। नतीजन आज भी ओवरब्रिज के नीचे हालात पूर्व की तरह हैं और गड्ढे दोबारा से मुखर होने लगे हैं। हालांकि गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए एक समाजसेवी ने सीएम विंडो और पीएमओ कार्यालय को शिकायत दी थी। पीएमओ कार्यालय की ओर से प्रशासनिक अधिकारियों को इन गड्ढों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अधिकारियों ने केवल मात्र इन गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए खानापूर्ति ही की है। गड्ढों को ठीक करने के लिए केवल मिट्टी के साथ मोटी रोडी डाली गई है जो धीरे-धीरे अपना स्थान खो देगी और यह गड्ढे दोबारा से मुखर हो जाएंगे।

बता दें कि पिपली में ओवर ब्रिज के नीचे पिछले कई महीने से गड्ढे बने हुए हैं। इन गड्ढों के नीचे से निकल रही पाइप लाइन का पानी रिस रिस कर सडक के ऊपर फैलने से हालात बदतर बने हुए थे। इन गड्ढो के चलते सडक पर उबड़ खाबड़ स्थिति बन गई थी। लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते यह गड्ढे बड़े होते चले गए। मीडिया ने कई बार इन गड्ढों को लेकर प्रशासन को आगाह करने का काम किया, लेकिन प्रशासन कुंभकरणी नींद में सोया रहा। प्रशासन को कुंभकरण की नींद से जगाने के लिए एक समाजसेवी श्यामलाल ने पहले सीएम विंडो में शिकायत देकर इन गड्ढों को दुरुस्त करने की गुहार लगाई। जब सीएम विंडो पर भी शिकायत देने के बाद कोई हल नहीं निकला तो श्यामलाल ने इसकी शिकायत पीएमओ कार्यालय दिल्ली में की। पीएमओ कार्यालय ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए उपायुक्त को इन गड्ढों को दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने इन गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए। लेकिन संबंधित अधिकारियों ने गड्ढों को ठीक करने की जहमत तक नहीं उठाई। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इन गड्ढों को ठीक करने के नाम पर खानापूर्ति की है।

गड्ढों को ठीक करने में केवल खानापूर्ति की गई : श्याम लाल

सीएम विंडो और पीएमओ में शिकायत देने वाले समाजसेवी श्याम लाल ने बताया कि प्रशासन ने केवल इन गड्ढों को भरने में खानापूर्ति की है। अंदेशा है कि अगले कुछ दिनों में दोबारा से यह गड्ढे फिर मुखर हो जाएंगे। उनका कहना है कि प्रशासन गंभीरता से इन गड्ढों को ठीक नहीं कर रहा है ।जिसके चलते ही ये गड्ढे बार बार मुखर हो रहे हैं।

प्रशासनिक अधिकारी जिम्मेवारी नहीं निभा रहे : अशोक शर्मा

पिपली निवासी अशोक शर्मा ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारी अपनी जिम्मेवारी नहीं निभा रहे हैं। पिछले काफी दिनों से ओवरब्रिज के नीचे गड्ढे बने हुए हैं, जिन पर अकसर गंदा पानी फैला रहता है। मीडिया द्वारा भी समस्या को बार बार उजागर करने पर अधिकारी इन गड्ढों को ठीक करने में रुचि नहीं दिखा रहे। प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेवारी निभाते हुए इन गड्ढों की तुरंत सुध लेनी चाहिए।

शौचालय की पाईप लाइन से गंदा पानी आ रहा सडक पर : एसडीओ

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एसडीओ भानु प्रताप सिंह ने बताया कि नगर परिषद की ओर से बनाए गए शौचालय की पाइप लाईन लीक होकर बरसाती पाइप लाइन में जा रही है। शौचालय का गंदा पानी पाइप लाइन में जमा हो जाता है और यही गंदा पानी सडक पर जमा होने के चलते सडक पर गड्ढे बन रहे हैं। नगर परिषद की जिम्मेवारी बनती है कि शौचालय की पाईप लाईन को ठीक कराए और यह काम सीवरेज का कनैक्शन काट कर ही हो सकता है। उन्होंने बताया कि उनके विभाग की ओर से कई बार इन गड्ढों को ठीक कराया गया है, लेकिन बार बार गंदा पानी सडक पर आने से समस्या का हल नहीं निकल रहा।

सडक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत पिपली अनाजमंडी में ट्रैक्टर ट्राली और अन्य वाहनों पर लगाए गए रिफलेक्टर

सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों की पालना जरूरी : जसबीर सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सडक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत वीरवार को पिपली अनाजमंडी में आने वाले ट्रैक्टर ट्राली और ट्रकों के वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। मार्किट कमेटी पिपली के सचिव जसबीर सिंह ने पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के साथ संयुक्त रूप से वाहनों को रिफलेक्टर लगाए और चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

पिपली मार्किट कमेटी के सचिव जसबीर सिंह ने बताया कि 11 जनवरी से 17 जनवरी तक प्रदेश में सडक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य सडक दुर्घटनाओं में कमी लाना और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। इसी कड़ी में पिपली

अनाजमंडी में आने वाले हर ट्रैक्टर ट्राली और ट्रक पर रिफलेक्टर लगाए गए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना करनी जरूरी है। यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही के चलते देश के अंदर सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हर वर्ष करीब चार लाख सडक दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में डेढ लाख लोग मौत का शिकार हो जाते हैं। इन आंकड़ों को कम करने के लिए ऐसे जागरूक अभियान चलाए जाने जरूरी हैं। उन्होंने वाहन चालकों को निर्देश दिए कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। सीट बेल्ट का प्रयोग करें। दोपहिया वाहन चालक हेल्मेट का प्रयोग करें। तभी दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान अमीर चंद और महासचिव धर्मपाल मथाना ने कहा कि प्रशासन की ओर से सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सडक सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है। सडक सुरक्षा सप्ताह में आम नागरिक को भी अपनी भागीदारी निभानी चाहिए और यातायात नियमों का पालन स्वयं भी करें और दूसरों को भी इसके प्रति प्रेरित करें। इस मौके पर मंडी उप प्रधान मोहित गर्ग, अजय सैनी, कोषाध्यक्ष पवन मदान, सहसचिव बनारसी दास प्रजापत आदि मौजूद रहे।

Eagle Group Property Advisor
HUDA
ansals HERMAN CITY
ansal API Building Lifestyles since 1967
JINDAL GLOBAL CITY
पवन लोहरा 9992680513
पवन सरोहा 94165-27761
राजेंद्र बोडला 99916-55048
अंतरिक्ष 94666-98333
हर प्रकार की जमीन जायदाद, मकान व दुकान खरीदने व बेचने के लिए संपर्क करें
हुडा एक्सपर्ट
1258, सैक्टर-4, नजदीक हुड्डा ऑफिस कुरुक्षेत्र

बसवा ने कैथल में मनाया शिक्षक एवं शौर्य दिवस

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल । बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया द्वारा नाव वर्ष 2023 के पावन अवसर पर शहर एक निजी पैलेस में माता सावित्रीबाई फुले व माता फातिमा शेख के जन्मदिन के उपलक्ष पर शिक्षक दिवस एवं शौर्य दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्यतिथि के तौर पर बीडी भानखड़ पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ कपूर सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अनिल चौहान एक्सईएन रहे। विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार कनिष्ठ अभियंता, सूर्य प्रकाश मत्स्य विभाग अधिकारी, सुरेश द्रविड बामसेफ के राष्ट्रीय संगठन सचिव, दिनेश खापड़।

बता दें बसवा टीम ने 40 पुस्तकालयों व सामाजिक संगठनों को सम्मानित किया। माता सावित्रीबाई फुले पाठशाला नरवाना की टीम के बच्चों ने बहुत सुंदर प्रस्तुति पेश की। जिसमें मुख्य भूमिका मुस्कान मेहरा ने निभाई। छात्र-छात्राओं ने बहुत सुंदर प्रस्तुति पेश की। मान्यवर सुरेश द्रविड़ ने के साथ दो अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को सावित्रीबाई फुले अवार्ड व 10 अध्यापकों को फातिमा शेख अवार्ड से सम्मानित किया गया। मंच संचालन बसवा संस्थापक रोहतास मेहरा व बसवा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष प्रदीप पठानिया ने किया। इस मौके पर बसवा केंद्रीय कमेटी सदस्य अमन कुतुबपुर, गुरुदेव बड़सीकरी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम थाना, प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय गोहाना व प्रदेश प्रदीप पठानिया। प्रदेश महासचिव गौरव धनिया, जिला अध्यक्ष संदीप लोन, जिला अध्यक्ष कैथल संजीव मुंडे, निशांत, मनोज मंडल, सुखदेव, विजेंद्र, विनय कुमार, सुनील रंगा, चांदीराम बौद्ध, आर.डी नरवानीय, अमित राठी, किरण अंबेडकर, संदीप कैलरम, सतीश रोहिल्ला, अमित, सागर मेहरा, सुमित उझाना, टिंकू जींद, दिनेश रायपुर, बसवा टीम के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले ने बहुत संघर्ष किया :बीडी भानखड़

मुख्य अतिथि बीडी भानखड़ ने कहा कि बसवा टीम युवाओं को जागरूक करने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना यह काबिले तारीफ है और माता सावित्रीबाई फुले वह माता फातिमा शेख के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मना कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया। क्योंकि महिलाओं की शिक्षा के लिए सावित्रीबाई फुले ने बहुत संघर्ष किया।

फुले दंपत्ति को जब घर से निकाल दिया था तो माता फातिमा शेख उनकी सहारा बनी : डॉ.कपूर सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ कपूर सिंह ने कहा कि जब फुले दंपत्ति को घर वालों ने निकाल दिया था तो माता फातिमा शेख उनकी सहारा बनी और सावित्रीबाई फुले व ज्योतिबा राव फुले के साथ मिलकर शिक्षा की अलख जगाई।

रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों ने सावित्रीबाई फुले का मनोबल गिराने का कार्य किया : चौहान

सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार किया : अनिल चौहान

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अनिल चौहान एक्सईएन ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले ने जब लड़कियों को पढ़ाने की शुरुआत की थी तो रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों ने सावित्रीबाई फुले पर कीचड़ डालकर उनका मनोबल गिराने का कार्य किया। परंतु फिर भी उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार किया।

महेंद्र कुमार ने कहा कि जनवरी का महीना महिलाओं के लिए विशेष है क्योंकि उनके जीवन को नई दिशा देने वाली तीन शख्सियतों का जन्मदिन है। 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले, 7 जनवरी को माता फातिमा शेख व 15 जनवरी को बहन कुमारी मायावती का जन्मदिन है। आप सभी को तीनों से क्षेत्रों के जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिक्षा ही एकमात्र हथियार: अरविंद

विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि हमारे पास शिक्षा ही एकमात्र हथियार है। जिसके दम पर हम लोगों ने आगे बढ़ना है।

बसवा टीम छात्रों को जगाने में जुटी : सूर्यप्रकाश

विशिष्ट अतिथि मत्स्य विभाग अधिकारी सूर्य प्रकाश ने बताया कि बसवा टीम छात्रों को जगाने मैं दिन-रात लगी हुई है। हम सभी साथियों ने इस टीम का तन मन धन से सहयोग करना चाहिए।

बहुजन समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली : दिनेश खापड

दिनेश खापड ने भाषण से लोगों में जोश भर दिया। उन्होंने शौर्य दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि 500 महार समाज के लोगों ने 28000 पेशवा सैनिकों को गाजर - मूली की तरह काट कर अपनी गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का कार्य किया। बहुजन समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली है।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) **Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311**